

500 Rs.



NOTED

। श्री।

॥ विक्रयपत्र बाबत भूमि स्थित ग्राम नेरगुराडिया ते. मूह से. नं. ६० ॥

पंचायतदफ्तर- बांवाचन्दन

क्लाक- मूह

क्रोमत रूपये - २७०००, सत्ताईसहजार रूपये बूकते पेशतर मे घरपर लेलिये हैं व बाजासूल्य

स्टाम्प रूपये- २०२५,

-----

बबनचन्द्र पिता शंकरराव बोराडे जाति मराठा

निवासी नेरगुराडिया हाल मु. हन्दौर

-- विक्रीदार

-- और --

मदनलाल पिता घासीरामजी जाति कुलमी

निवासी क्रोदरिया ते. मूह जिला हन्दौर

-- खरीददार

-----

मै विक्रीदार यह विक्रयपत्र भूमि का रिक देता हूँ कि निम्न लिखित सर्वे नंबरों व दौत्रफल वाली भूमि ग्राम नेरगुराडिया ते. मूह स्थित की मेरी मालकी व कब्जे की मेरे हिस्से व कब्जे वाली बापसी बटवारे के मान से है। यह भूमि मेरी भूमिस्वामी स्वत्वों की है। मेरे शायलातदार खाले पर नामांकित हैं किन्तु हमारा बापसी तोर से बटवारा मोके पर भूमि की है और निम्न वर्णित भूमि मेरे हिस्से व कब्जे वाली भूमि है।

हस भूमि मे मेरे सिवाय अन्य किसी का कोई भी प्रकार का कोई हक व हिस्सा या शरकत नहीं है। और किसी का भी कोई 'पदसल' किसी प्रकार का नहीं है।



*Handwritten signature or initials in Hindi script.*



२.

फिलहाल यह भूमि हर प्रकार के गिरवी, बिक्री, दान, जमानत, कर्ण, मन्टेनेन्स के चार्ज, तकावीकरण, बैंकों के कर्ण, अन्य किसी के सोदे, कब्जे वगैरह से शुद्ध व ठीक पवित्र स्थिति में है।

चूंकि मुझ से खेती का कार्य बनता नहीं है और वाजकाल में गांव पर रहता भी नहीं हूँ। मैं इन्दौर में रहता हूँ और अपना रोजगार घंघा करता हूँ। इसलिये नेरुगुराड़िया स्थित निम्न वर्णित भूमि खरीददार मदनलालजी को रु २७०००, सत्ताईस हजार रूपयों में विक्रय करने का सोदा क्रिया और यह क्रय बाजार मूल्य से बहुत अच्छी कीमत मुझे मिली है। एवं क्रय के दूकते रु २७०००, सत्ताईस हजार रुपये मैंने घर पर ही नग्दी पश्तर में लेकर प्राप्त कर लिये हैं। जिनका मिलना मैं स्वीकार करता हूँ। अब इस विक्रयपत्र के रजिस्ट्रेशन के समय श्रीमान् सब रजिस्ट्रार साहब के समदा कुछ भी एक पेशा तक लेना अकाया नहीं रह गया है।

अतः हँदियों के स्वस्थ व स्थिर बुद्धि की अवस्था में अपनी इच्छा और प्रसन्नता से बगैर किसी के दबाव या रुचि दिलाने आदि के नीचे लिखी सर्वे नंबरों व दौत्रफल वाली ग्राम नेरुगुराड़िया स्थित भूमि अमला इस भूमि से संबंध रखने वाले समस्त स्वत्व व अधिकारों के सहित किसी वस्तु या स्वत्व को छोड़े बिना खरीददार को विक्रय की व बेची और बेची गई भूमि पर खरीददार को अपनी तरह पूर्ण रूप से भूमिस्वामी अधिपति मालिक बना दिया व अपना हर प्रकार का स्वत्व व अधिकार बेची गई भूमि पर से उठा लिया।

*B. S. Barua*





3.

मैंने यह भूमि वैध आवश्यकता के लिये बेची है। क्योंकि मैं मेरे परिवार का सब से बड़ा पुरुष सदस्य होकर परिवार का कर्ता व मैनेजर हूँ। इस हैसियत से भी यह विक्रय किया है। और परिवार के हित के लिये घंघे के निमित्त मुझे रूपयों की जरूरत है। एवं नेउगुराडिया की इस अर्पित भूमि से मुझे विशेष लाभ नहीं मिलता है, इसलिये इस भूमि को विक्रय करना हितकर होने से वैध आवश्यकता के लिये वैध रूप से यह भूमि मैंने क्रेता को अच्छी कीमत में बेची है।

अब यदि मेरा कोई साजो या शरीक वारिस आदि पैदा होकर किसी किस्म का दावा बेची गई भूमि के प्रति करे तो मैं उसका उत्तरदाता हूँ। मेरे साजो या शरीक वारिस आदि के दावा करने से या मेरे अधिकार-दोष के कारण अथवा अन्य किसी भी कारण से समस्त बेची गई भूमि या उसका कोई भाग खरीददार के कब्जे और अधिकार से निकल जावे या इस प्रकार के किसी दावा करने से या किसी भार या ऋण के कारण कुछ रूपया खरीददार को अदा करना पड़े तो उन्हें अधिकार होगा कि वे विक्रय का बूकला रूपया लगा हुआ रूपया और व्यय व हानि जो उठानी पड़े वह सब बेची गई भूमि से मुझे विक्रेता से स्वतः से व मेरी दीगर किसी भी प्रकार की जायदाद से जिस प्रकार भी हो सके वसूल करले। मैं कोई विरोध नहीं होगा।

कच्चा खदर बेची गई भूमि का मोके पर खरीददार को सुपुर्द कर चुका हूँ। अब खरीददार अपने वंशपरंपरा तक अपनी इच्छानुसार मोल ली हुई भूमि का उपयोग व उपयोग लेवे।

M. S. Basche



8.

बेचो गई भूमि का विवरण निम्नानुसार है:-

यह भूमि ग्राम नेलगुराडिया त. म. न. में स्थित है। यह भूमि बसिंदित है।

सर्वे नं. ख. नं. लगान

३४ धेकि , ४-६०२ ५१-७९

इस भूमि के विक्रय करने से विक्रेता को और मोल लेने से खेता को सीलिंग स्वट की बाधा नहीं आती है। अब सराददार को अधिकार होगा कि वह मोल ली हुई भूमि पर अपना नामान्तरण करवाले।

नामान्तरण की कार्यवाही में मैं विक्रेता पूर्ण सहयोग करूंगा। व इस के लिये सदा बाध्य रहूंगा। व बटे नंबर कार्यवाही भी पूर्ण करा दूंगा।

यह विक्रयपत्र व इस की तमाम शर्तें मुझ विक्रेता के समान मेरे वारिसों आदि पर समान रूप से बन्धनकारक रहेंगी व आप खेता के समान आपके वारिसों को इसके अधिकार व लाभ समान रूप से प्राप्त रहेंगे।

मुझ पर इस भूमि संबन्धी कोई शासकीय तोजी जादि द्रव्य भी देना शेष नहीं है।

*J. S. Beharal*



५.

कतः यह लिखित प्रमाण का वाच दि १८ जून १९७५ ई को मद्र में लिखा कर इस में लिखा विवरण पढ़कर समझ कर ४० कामत के हुको रुपये २७०००, सचार्च एन्डर रुपये पेश्तर में धर पर की मिलना स्वीकार कर के सही की वस्तुमें लिखा विवरण सही होना मंजूर कर के सही का है, ताकि प्रमाण रहे।

लेखक:- मोहनलालसर्मा  
लाव्हाकडुमेंट रायटर, मद्र

रही-विद्वीकार

गवाह:-

नारायणसिंघ

B. S. B. S. S. S.

गवाह:-

बंशीलाल

- (1) Name of document, writer - मोहन लाल
- (2) License No. ....
- (3) Place of practicing of the document writer.  
Mhow Distt. Indore.
- (4) Name of Employer. Choti Bai
- (5) S. No. of the document ..... 193  
With date... 18/6/75
- (6) Fee Charged Rs. .... 0/-

Signature of  
Document writer

Handwritten scribbles and numbers at the top of the page, including the number '25'.

भारतीय प्रजासत्ताक  
संविधान

18 JUN 1975

भारत अधिनियम .....  
क्रमांक 26.0. 1975  
322



Handwritten signature: J. Galyat

Handwritten calculations:  
292 = 10  
90 = 10  
-----  
302 = 10

Handwritten signature: J. Galyat

FOR REGISTRAR  
HOWRAH